

स्टेनलेस स्टील क्षेत्र में भारत का पहला हरति हाइड्रोजन संयंत्र

स्रोत: पी.आई.बी.

हाल ही में केंद्रीय इस्पातमंत्री ने जदिल स्टेनलेस लिमिटेड, हिसार में स्थिति [स्टेनलेस स्टील सेक्टर](#) में भारत के पहले [ग्रीन हाइड्रोजन प्लांट](#) का वरचुअल उद्घाटन किया। यह स्टेनलेस स्टील उद्योग के लिये समर्पित [वशिव का पहला ऑफ-ग्रिड ग्रीन हाइड्रोजन प्लांट](#) है।

- पारंपरिक स्टील का उत्पादन [कोयले](#) पर बहुत अधिक निर्भर करता है, जो [ग्रीनहाउस गैस](#) का एक प्रमुख स्रोत है। यह निर्भरता भारत के पर्यावरणीय लक्ष्यों के लिये समस्यात्मक है। ग्रीन हाइड्रोजन एक स्वच्छ विकल्प प्रदान करता है।
 - संयंत्र का लक्ष्य कार्बन उत्सर्जन को लगभग **2,700 मीट्रिक टन प्रतिवर्ष** और अगले दो दशकों में **54,000 टन CO2 उत्सर्जन को कम** करना है।
- स्टेनलेस स्टील एक प्रकार का स्टील मशिर धातु है जिसमें दरव्यमान के आधार पर न्यूनतम 10.5% क्रोमियम होता है।
 - यह अपने [असाधारण संक्षारण \(corrosion\) प्रतिरोध](#) हेतु जाना जाता है, जिससे यह वभिन्न अनुप्रयोगों के लिये अत्यधिक उपयुक्त हो जाता है जहाँ टिकाउपन, जंग तथा अभरिजन के वरिद्ध प्रतिरोध आवश्यक है।
- भारत [कच्चे स्टील का वशिव का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक](#) है। वरित्त वर्ष 2023 में इसने 125.32 मलियन टन (MT) कच्चे स्टील तथा 121.29 मीट्रिक टन परष्कृत स्टील का उत्पादन किया।
 - इसके अलावा वर्ष 2022-23 में 6.02 मीट्रिक टन स्टील के आयात के बाद 6.72 मीट्रिक टन परष्कृत स्टील के नरियात के साथ भारत इसका [शुद्ध नरियातक](#) बन गया है।

और पढ़ें: [भारत का इस्पात क्षेत्र, ग्रीन हाइड्रोजन](#)